कर्म ही जीवन है।

नियत में रख मेहनत अपनी
होठों पर रख मुस्कान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगें भगवान।

न धर अंत है जीवन का
तू करता रह प्रयास
ये जग होगा तेरा एक दिन
तू मन में रख विश्वास
बार-2 टकरा कर लहरें
सागर की तोड़ चट्टान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगें भगवान।

इस जग में जो भी आया है
एक दिन उसको जाना होगा।
उससे पहले लक्ष्य को अपने
तुझको तो पाना होगा।
जीवन को सफल है किया जिसने
वही है सच्चा इन्सान
बिन स्वार्थ कर्म तू करता जा
तुझे फल देगें भगवान।

NAME - Chanchal Kumari
CLASS - Xth